

प्रेषक,

सुशांत पटनायक
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख बन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुमान-2

देहरादून

दिनांक ८२ नवम्बर, २०१२

विषय:- वन विभाग के अनुदान सं0-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012-13 के राज्य सेक्टर के आयोजनागत पक्ष की योजना "बहुउद्देशीय वृक्षारोपण एवं बनों का संरक्षण" में वित्तीय स्थीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

महोदय,
उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश सं0-321/XXVII(1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 तथा अपर प्रमुख बन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन के पत्रांक नि-2013-5(रा0सं0-बहुउद्देशीय वृक्ष) दिनांक 28 जुलाई, 2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वन विभाग के अनुदान संख्या-27 की आयोजनागत पक्ष की योजना “बहुउद्देशीय वृक्षारोपण एवं वनों का संरक्षण” के राजस्व पक्ष में पूर्व में शासनादेश संख्या 1193/X-2-2012-12(28)2012 दिनांक 20 जून, 2012 से निर्गत वित्तीय स्थीकृति सापेक्ष ₹ 43.34 लाख को योजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए प्राविधानित आय-ब्यक्ति से समायोजन उपरान्त अवशेष बजट के सापेक्ष ₹ 86,66,000/- (₹ छियासी लाख छियासठ हजार मात्र) की घनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर इसे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्थीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

स्वीकृत निम्न शाता एवं प्राप्तिवदा के अनुभाग संख्या ३०-३२।

- उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुमान-१ के शासनादेश सं०-३२१/XXVII(१)/२०१२ दिनांक १९ जून, २०१२ द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। शासन द्वारा बांधित सूचनायें एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। शासन द्वारा बांधित सूचनायें एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-१ (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-५ भाग-१ (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्टिकोरमेंट) नियमावली, २००८, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- धनराशि व्यय करने से पूर्व अनुमोदित दर अनुसूची आधार पर एवं जिन मामलों में दर अनुसूची नहीं है। वहाँ न्यूनतम बजार दर पर विस्तृत आंगणन गठित कर उस पर सक्षम स्तर से वित्तीय/प्रशासनिक तथा तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायें।
- बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
- यह संझान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फैलड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
- आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी०एम०-१७ पर प्रत्यक्ते भाग प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।

6. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
7. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय को फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
8. यह भी सुनिश्चित किया जाये कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित इकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु दिक्षित पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
9. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-व-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
10. व्यय करने के पूर्व जिन म्यामलों में बजट मैनेजमेंट, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली हाय।
11. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहाँ आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय।
12. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा।
13. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
14. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1211270018 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे।
15. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कारोये जाने वाले कारोये की सूचना यथावश्यता अनुसार सुराज, भष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1638/XXX-1-12(25)2011, दिनांक 8 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट www.ua.nic.in तथा विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01 वानिकी 800 अन्य व्यय 04 बहुउद्देशीय वृक्षारोपण एवं बनों का संरक्षण के निम्नलिखित सूची में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामे डाला जायेगा। इस प्रयोजन हेतु Online Budget Allotment की हार्ड कॉपी भी संलग्न की जा रही है:-

(धनराशि ₹ हजार में)

| मानक मद | वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिये आय-व्ययक प्रावधान | निर्गत वित्तीय स्वीकृति | अवशेष बजट | प्रस्तावित वित्तीय स्वीकृति |
|----------------------|--|-------------------------|-----------|-----------------------------|
| 25-लघु निर्माण कार्य | 5000 | 1667 | 3333 | 3333 |
| 29-अनुरक्षण | 8000 | 2667 | 5333 | 5333 |
| योग | 13000 | 4334 | 8666 | 8666 |

(वर्तमान वित्तीय स्वीकृति ₹ छियासी लाख छियासठ हजार मात्र)

3- ये आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-102(P)/XXVII(4)/2012 दिनांक 26 अक्टूबर, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

1926

संख्या- (1)/X-2-2012, तदृदिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, हन्दिरानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
8. वित्त अनुमान-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
13. गार्ड फाईल.

आज्ञा से,

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20122013

Secretary, Forest (S016)

पत्र संख्या - S1211270018

अलोटमेंट आई डी - S1211270018

पत्र संख्या - 027

आवंटन पत्र दिनांक - 01-Nov-2012

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

लेखा शीर्षक - 2406 - बानिकी तथा बन्ध जीवन

01 - बानिकी

800 - अन्य व्यय

04 - बहुउद्देशीय व्रक्षारोपण एवं बनों का संरक्षण

00 - आरक्षित तथा मिलिल सोयम बनों का विकास(राज्य स

Plan Voted

| मानक मद का नाम | पूर्व में जारी | वर्तमान में जारी | शोग |
|------------------------|----------------|------------------|----------|
| 25 - लघु निर्माण कार्य | 1667000 | 3333000 | 5000000 |
| 29 - अन्यकारण | 2667000 | 5333000 | 8000000 |
| | 4334000 | 8666000 | 13000000 |

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 8666000